

# The Gazette of India

भारत सरकार की घोषणाएँ  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18] नई दिल्ली, शनिवार, मई 2, 1998 (वैशाख 12, 1920)

No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 2, 1998 (VAISAKHA 12, 1920)

इस भाग वे विज्ञापन और घोषणा ही हैं जिनमें भिन्न विभिन्न विभागों के द्वारा दिये गये हैं।

(विभिन्न विधायिका विभागों द्वारा दिये गये विज्ञापनों का विवरण इनके उपर्युक्त विभागों के द्वारा दिया जाता है।)

भाग III—खण्ड 4  
(PAGE III—SECTION 4)

[विधायिका विभाग द्वारा दिये गये विधियां अधिकारी विज्ञापनों की आदेश, विज्ञापन और सूचनाएँ सम्मिलित हैं।]

(Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies)

आंध्रा बैंक

(भारत सरकार का उपक्रम)

कार्मिक विभाग

प्रयान कार्यालय, हैदराबाद

दिनांक 23 फरवरी, 1998

सं० 666/20/आई/आर०/530—आंध्रा बैंक का निदेशक अधिकारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अनुरूप) अधिनिकम, 1980 (1980 का 40) की धारा 12 की उपधारा (2) के नाथ पढ़ी गई धारा 19 धारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करने वाला भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केंद्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से आंध्रा बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील)

विनियम, 1981 में आगे संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

- 1. इन विनियमों को आंध्रा बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) (संशोधन), विनियम, 1998 कहा जा सकेगा।
- 2. यह राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रदृढ़ होगे।

2. आंध्रा बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुग्रहीत एवं अपील) विनियम, 1981 के विनियम 4 में (जिसे इसके बाव सूल विनियम कहा जाएगा) सामान्य दस्त ग्रीष्म के अवधारणा खण्ड (३) के बाव निम्नलिखित खण्ड का संतावण किया जाएगा अर्थात् :—

“... (३) संचित प्रभाव के बिना और अधिकारी के देनाने पर प्रतिकूल प्रभाव न ढालने हुए ३ वर्ष से अधिक अवधि के लिए काल वेतनमान निम्नवर प्रकाम में अनुमति”

ख. "गम्भीर स्वरूप वाले दण्ड शीर्ष के अन्तर्गत खंड (ज) (च) (छ) और (ज) की पुनः खण्ड (ष) (ज) (झ) और ( ) में क्रमांकित किया जाएगा।"

ग. दुनः क्रमांकित किए गए खण्ड (ठ) के पहले निम्न-  
लिखित का समावैश किया जाएगा, अर्थात् :—

(च) “किसी विनिदिष्ट अवधि हेतु वेतन के काल वेतन-मान निम्नतर प्रक्रम तक उक्त अवनति (ड) में प्रावधात को छोड़कर अतिरिक्त निर्देश सहित कि ऐसी अवनति की अवधि के दौरान अधिकारी वेतन वृद्धि अर्जित करेगा अथवा नहीं और क्या यह अवनति ऐसी अवधि की समाप्ति पर उसके वेतन की आगामी वेतन वृद्धियों के स्थगन का प्रभाव रखेगी या नहीं”

घ. पुनः क्रमांकित किए गए खंड (छ) के एवज में निम्नलिखित को लिया जाएगा, अर्थात् :—

“(७) किसी विम्नतर श्रेणी या पद पर अवनत किया जाना”

3. मूल विनियम के विनियम 6 के उत्तरनियम (1) के खंड (इ), (च), (छ) और (ज) शब्द, कोष्ठक, और आंकड़ों के लिए "विनियम 4 के खंड (च), (छ), (ज) (झ) और (ञ)" के शब्द कोष्ठक एवं आंकड़ों से प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।

4. मूल विनियम के विनियम 8 के उप विनियम (1) में विनियम 4 के खंड (क) से (घ) शब्द, कोष्टक और आंकड़ों के लिए “विनियम 4 के खण्ड (क) (ङ)” के शब्द, कोष्टक एवं आंकड़ों से प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।

5. मूल विनियम के विनियम 17 के उप विनियम (2) के प्रथम पार्वतान में “विनियम 4 के खंड (ङ), (च), (छ), और (ज)” शब्द, कोष्ठक और आंकड़ों के लिए “विनियम 4 के खंड (च), (छ), (ज), (श) एवं (ञ)” के शब्द, कोष्ठक एवं आंकड़ों पे प्रसिद्धापन किए जा सकते हैं।

6. मूल विनियम के विनियम 18 के प्रथम प्रावधान में “विनियम 4 के खंड (ङ), (च), (छ), या (ज)” शब्द, कोठक और आंकड़ों के लिए “विनियम 4 के खण्ड (च), (छ), (न), (अ) या (आ)” के गढ़, कोठक एवं आंकड़ों के प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।

**नोट :—** आंद्रो बैंक अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अपील) विनियम, 198 में पड़ले किए गए संघोत्रनों को गजट की धारा 4 भाग 3 में विभाजित किया गया था। अर्थात् :—

क्रम सं०	अधिसूचना	दिनांक
1.	34	26-10-1990
2.	35	26-10-1990
3.	41	04-12-1990
4.	35	06-09-1993

वी० आर० वेंकटरामन,  
महाश्रवन्धक

सिडीकेट बैंक

पृष्ठान् कार्यलिपि - मणिपाल

四庫全書

सं० 1128/0089/का० वि० औ० सं० प्र० (अ) दिनांक  
 13-4-1998—भारत के राजपत्र में उपर्युक्त निम्नम सं० 37  
 दिनांक 13-9-1997 के भाग III खंड-4 में प्रकाशित  
 सिडीकेट बैंक, प्रधान कार्यालय, मणिपाल की “सिडीकेट बैंक  
 अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन एवं अधीन) विनियमावली  
 1976” की विषयवस्तु सम्बन्धी पृष्ठ सं० “2917 की मद  
 सं० 2 की पहली पंक्ति में उल्लेखित वर्ष ‘1997’ के स्थान पर  
 वर्ष “1976” को प्रतिस्थापित किया जाए।

वाई० एम० शेट्टी  
महाप्रबन्धक (का) राजभाषा

कर्मचारी राज्य वीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च, 1999

संख्या : य०-१६/५३/९३-चि०-२ (गुजरात) -- कर्म-  
चारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, १९५० के विनियम-  
१०५ के अधीन निगम की शक्तियां महानिदेशक को प्रदान  
करने के सम्बन्ध में 'कर्मचारी राज्य बीमा' निगम द्वारा  
२५-४-१९५१ की बैठक में पारित किए गए संकल्प के  
अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या १०२४ (जी)  
दिनांक २३-५-१९४३ द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी  
जाने पर मैं इसके द्वारा दिया पुर केन्द्र व धनीय उपचिकित्सा  
आग्रहक (उत्तर-पश्चिम जौन) द्वारा नियन्त्रित किए गए धेत्रों  
के लिए, बीमाकृत व्यक्तियों की रवान्ध जांच करने और  
मूल प्रभाण पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें और  
प्रभाण पत्र प्रदान करने के प्रयोजन के लिए मौजूदा मानकों के  
अनुसार पासिक परिश्रमिक पर चिकित्सा प्राधिकारी के रूप  
में कार्य करने के लिए डा० (श्रीमती) ए० जे० पटेल की  
सेवाएँ कार्यभार ग्रहण करने की तिथि में गर्व, वर्त के लिए  
या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक,  
जो भी पहले हो, बढ़ाती है।

डा० (श्रीमती) एस० सिंह  
चिकित्सा आयुष्मान

सं० एन०-15/13/14/2/95-यो० एवं वि०--(2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त अवित्यों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-4-1998 ऐसी तारीख के रूप में निर्दिष्ट की है जिसमें उक्त विनियम 95-क हथा तमिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में भिन्निट चिकित्सा फ़िल्माम तमिलनाडु राज्य में

निम्नलिखित थेवों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

## अधिकारी

“जिला कुड़ागुर के पनस्टी तालुक में राजस्व ग्राम मुख्यमंत्री के अन्तर्गत आने वाले थेव”।

एल० के० पटनायक,  
संयुक्त निदेशक (यो० एवं वि०)

सं० एन०-15/13/14/3/98-यो० एवं वि०-४(2)  
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम-1950 के विनियम-95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में भाग्निदेशक ने 1-4-1998 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम-95-क तथा तमिलनाडु कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा वितलाभ तमिलनाडु राज्य में निम्नलिखित थेवों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

## अधिकारी

“जिला कोयंब्बतूर के तीरुपुर तालुक में राजस्व ग्राम अन्दीपलायम, नालुर, मुथालीपलायम, मन्नाराई, कनकापालायम, पोन्मुपालायम, नेलपेरीचल और वेलामपालायम के अन्तर्गत आने वाले थेव”।

एल० के० पटनायक,  
संयुक्त निदेशक (यो० एवं वि०)

क्रम न० स्वामिका का नाम व पता

कोड स०

१. मै० रुशी कुल्या ग्रामधा बैंक, हैड-आफिस उड़ीसा/2381  
भृगुपुर जिला गंजम-70001 शाखाओं सहित
२. मै० अरबन को-आपरेटिव बैंक लि० उड़ीसा/2734  
टिनो कोनिया बगीचा कटक-753001  
(शाखाओं सहित)

कर्मचारी भविष्य निधि राशि  
(केन्द्रीय क्रयाजिया)  
नई विली, विनांक 30 मार्च 1998

सं. 2/1959/झी. एल. आई./भाग-1/4919—जहाँ  
अनुसूची-१ में उल्लिखित नियोक्ताओं में (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा को उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कूपीक केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बाहे से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या श्रीमियम की अद्याग्री किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा विनियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठ रहे हैं और कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उड़ीसा ने स्कीम की धारा 18(7) के अन्तर्गत हील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-१

छूट आरम्भ होने की क्रमांक नं० वा फाइल सं०  
तिथि

1-3-95 से	11/9/98-उड़ीसा/झी० एल० आई०
28-2-98	
1-2-90 से	11/8/97-उड़ीसा/झी० एल० आई०
31-1-93 व	
1-2-93 से	
31-1-96	
1-2-96 से	
31-1-99	

2. नियोजक एसे नियोजित प्रभारी का प्रत्येक मास की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के हृद के अधीन समय-समय पर नियोजित करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत भेदभावों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा श्रीमियम

## अनुसूची-२

१. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संवर्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेख-जोखा रखेगा तथा नियोजन के लिए ऐसी संविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

का संदाय, लेखाओं का अंतरण, नियोजन प्रभारी का संदाय आदि भी हैं हाँ वाले सभी घटों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम की नियमों की एक प्रीति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रीति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मृत्यु वालों का अनुबाद स्थापना के सुन्दर पृष्ठ पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य नियित या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना के भविष्य नियित का दहल ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के संदर्भ के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवेद करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध सामन बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें इन कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी वाल के हाँतें हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस वजा में संदर्भ हाँते जब वह उक्त स्कीम के अधीन हाँता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदर्शितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित अंतर्वीय भविष्य नियित आयुर्वद के पूर्व अनुसूचन के बिना नहीं किया जाएगा और उसे किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य नियित आयुक्त अपना अनुसूचन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना इष्टिकाण स्पष्ट करने का योक्तव्यकृत उद्दर देगा।

9. यदि किसी कारणबद्ध स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले उपना छूकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो वह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबद्ध नियोजक उस नियह तारीख के भीतर भारतीय जीवन बीमा निगम नियह करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और प्राप्तिसी को व्यपगत होने का जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम का संदाय में किये गये बिना किसी व्यापेतक्रम की वजा में उन मृत सबस्थों के नाम निदर्शितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हासी से उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन बाँधे वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हुक्मदार नाम निदर्शितों/विधिक वारिसों यो बीमाकृत राशि का संदाय तथारता से और प्रत्येक दसा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टचार्य  
अंतीय भविष्य नियित आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जेम./89/भाग-1/  
4927—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं दे (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियित और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा-17 की उप-धारा 2 (क) के अनुर्गत छूट के विस्तार के लिए आयोजन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, केन्द्रीय भविष्य नियित आयुक्त इस वाल से संबुद्ध हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंदाजन या प्रीमियम को अवायणी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भास्तीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि एसे कर्मचारियों को लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा-2 (क), द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य नियित आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा नियित जो प्रत्येक स्थापना के नामे के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 गे निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य नियित आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संधालन से प्रत्येक उक्त स्थापना द्वारा धारा 3 पूर्व की अवधि को लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची-1

क्रम सं० स्थापना का नाम और कोड न०.  
पता

मरकारी अधिसूचना की छूट समाप्ति तिथि छूट विस्तार तिथि के० भ० नि० आ० फा०  
सं० वह दिनांक जिसके

द्वारा छूट प्रदान  
विस्तार की गई

1. मै० री-रोलिंग मिल्स लि०, ओ०/आर 56३, 2/1959/एक्जेम/डी० हीराकुड़ डिस्ट्रिक्ट साम्बलपुर उडीसा	एल० आई० पार्ट-१	30-९-९२	1-10-९२ से	2/555/81/डी० एल०
	दिनांक 2-7-93		30-९-९५	आई०
			1-10-९५ से	
			30-९-९८	
2. मै० उडीसा एक्स्ट्रजन्स लि०, ओ०/आर 4010 विनांक 25-1-४४ गनेशरपुर इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, बालासीर-756019	30-६-९५	1-7-९५ से	2/5275/93/	डी० एल० आई०
		30-६-९८		

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे पहले पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित भेदभाव भविष्य नियम अनुकूल को एसी विवरणियों भेजेगा और एसा लेखा जोखा रखेगा सभा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केंद्रीय भविष्य नियम आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के साथ के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय जावा भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जावे, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संलग्न की भाषा में उसकी मूल भावों का अनुबन्ध स्थापना के सूचना पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य नियम या उक्त सूचिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य नियम का पहले ही सबस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त बदल करेगा और उसकी यात्रा आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि द्वारा दर्शाया जावे और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि द्वारा दर्शाया जावे।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुग्रह है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी का उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नाम निवृत्तियों को प्रीतिकार के रूप में दानों राशियों के अन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित भेदभाव भविष्य नियम आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की समावना हो वहां भेदभाव भविष्य नियम आयुक्त अपना अनुशीलन दर्शन के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टि कोण स्थाप्त करने का गृहित्यत अवसर देंगे।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले

स्थापना चक्री है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन जीवन बीमा नियम नियत करे प्रीमियम का सदाय करने में उक्त स्कीम रहता है और पालिसी का व्यवस्था होने विया जाता है तो छूट रखद की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उक्त नियम हारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा नियम नियत करे प्रीमियम का सदाय करने में उक्त स्कीम रहता है और पालिसी का व्यवस्था होने विया जाता है तो छूट रखद की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संबाध में किये गये बिना किसी व्यक्तिका की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निवृत्तियों या विधिक वारिसों को यदि गहराई न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संबाध का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हृकदार नाम निवृत्तियों/विधिक वारिसों के बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि द्वारा से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होते के एक मात्र के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्य  
भेदभाव भविष्य नियम आयुक्त

स. 2/1959/डी. एल. आइ/भाग-1/4935—जहां  
अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियम और इकोर्ने उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केंद्रीय भविष्य नियम आयुक्त इस बात से संबंधित है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी दर्हन अलग बंशवान या प्रीमियम की अवाद्यी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं और एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी नियम सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है।

जहां उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत सरकार/केंद्रीय भविष्य नियम वायुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसार उक्त स्थापना अनुसूची-2 में नियमीकृत राशि के रहते हुए केंद्रीय भविष्य नियम आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संबाध से प्रत्येक उक्त स्थापना को आप 3 वर्ष की अवधीन के लिए छूट प्रदान कर दी गई है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उसके नाम के सामने दर्शाया है।

## अनुसूची-1

कम सं० स्थापना का नाम त्रृता कोड सं० सरकारी अधिसूचना की सं० समाप्ति की छूट की कें० भ० नि० आ० को और तारोङ्ग जिसके अनुसार छूट तारीख अवधि फाइल सं० विस्तार किया गया

1	2	3	4	5	6	7
1. मै० उड़ीसा प्लास्टिक प्रोसेस० उड़ीसा	2/1959/ड० एल० आई०/छूट 89/पार्ट-1 416-420 दिनांक 25-1-96	28-2-95 से	1-3-95	2/3/95— डीएलआई		
सौर-755001			28-2-98	उड़ीसा		
2. मै० उत्कल एप्रोइन्डस्ट्रोज (उड़ीसा (प्रा०) लि० ओ० टी० रोड, 1648 बालासौर-756001	2/1959/ड० एल० आई०/छूट 89 पार्ट-1/424 दिनांक 25-1-96	29-2-96 से	1-3-96	2/4/95— उड़ीसा डीएलआई		

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लखा-जाखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधीनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के साथ के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियाँ का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह संख्या की भावा में उसकी मूल्य बाहों का अनुवाद स्थापना के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधीनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा के सदस्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा दर्ज करेगा और उसकी वावत आवश्यक प्रीमियम भास्तीय जीवन बीमा नियम को संदर्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारा जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक मूल्य से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दानों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने को संभवता हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भास्तीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भास्तीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्जी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 30 मार्च 1998

मई 2/1959/डी. एन. आर्ड./आग-1/4943—जहाँ अनुसूची-1 में उन्नील विषय नियोजक सभा द्वारा पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपचान अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत विवरार छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी को ही अलग अंदाजान या श्रीमिया की अदायगी किए जिन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामृद्धि बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं तो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निधि प्रदान करना चाहिए, 1976

के अन्तर्गत स्वीकार्य नामों में अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् रकीय कहा गया है)।

प्रति उद्देश अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अमंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संस्था तथा सिंधि औ प्रत्यक्ष स्थापना के नाम के सामते दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संस्थान अनुसूची-2 में नियोजित गत्तौ के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी गई है जैसा कि मैलन अनुसूची-1 में उनके नाम के रामने दर्शाया है।

## अनुसूची-1

क्र०सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	सरकारी अ०, सूचना की सं० और तारीख जिसके अनुसार छूट/विस्तार किया गया।	समाप्ति की तारीख	छूट की अवधि	क्र० भ० न्य० आ० की फाइल सं०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० अनुपम एड्हेसिव्स, 159 बिट्टल उद्योग नगर-388121 ता० आतंद, गुजरात	गज०/६८९१	2/1959/डी०एल०आई०/ छूट ८९/पार्ट-I दि० २१-१-१९४	२८-२-१९५६ १-३-१९५५ दि० २१-१-१९४	२८-२-१९४८ १-३-१९५५ २८-२-१९४८	२/३३०६/११ डी० मै० एल० आई० २८-२-१९४८

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, के ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा जोखा रखेगा तथा नियोजन के लिए ऐसी संविधान प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त सभी पर निर्विवृत करें।

2. नियोजक ऐसे नियोजन प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 वित के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के रूप में अधीन समर्थन पर निर्देश करें।

3. सामृद्धि बीमा स्कीम के प्रशासन में जिनके अन्तर्गत सभी बीमा स्कीम की संवाद, लेखाओं के अन्तर्गत नियोजित प्रभारी का संबंध आदि भी है होने वाले सभी घटों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्दित सामृद्धि बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उन द्वारे उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की डाक भेजा की भासा में उसकी माला गातों का अनुचान स्थापना के मूल पर इन्वित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाएगा है तो नियोजक सामृद्धि बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम संरक्षित रखा करेगा और उसकी वाक्स आवश्यक श्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियमों को संबंध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ छापे जाते हैं तो नियोजक सामृद्धि बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृद्धि रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृद्धि बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अन्तर्भूत हैं।

7. सामृद्धि बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की माला पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य गाइन उस गाइन से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होनी जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी को विधिमय वारिस/नाम नियोजित करें के रूप में जोनों गाइनों के बगावर शरीर का संवाद करेगा।

8. सामृद्धि बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी मंशोधन संशोधन क्षेत्र भविष्य निधि आयुक्त के पर्यान भेजने के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी मंशोधन से कर्मचारियों के हित पर इन्वित कराये जाने की मंभाजन होते वहाँ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त आवाद देना जामुदन देने के पर्यान कर्मचारियों को अपना दीप्तिकोण मण्डल करने का व्यक्तिगत जापर होता।

9. यदि किसी कारणदण्ड स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम की उस सामाजिक धीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपने सुनी है तो अधिक रही रह जाता है या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली नियमी राशि में बदल हो जाए हो इह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणदण्ड नियांचक उस नियम स्थापना के भीतर जीवन वीमा नियम के नियत करें तो स्कीम का संदर्भ करने में असफल रहता है और पालिसी को अपग्रेड होने पर यह जात है में स्ट्रॉट रद्द की जा सकती है।

11. नियांचक बुवाय प्रीमियम के संदाय में किए किसी अधिकारीकृत की दशा में उस रूप सक्षमों के नाम नियोजित होते हों या विधिक वारिसों को, यदि यह छूट न हो गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, वीमा लाभों को संदाय का उत्तरदायित्व नियोजित पर नहो।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम नियोजितों/विधिक वारिसों के दीयाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि देते हुए गाह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्जी  
ध्येय भविष्य निधि आयका

नं 110-066, दिनांक 6 अप्रैल 1998

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/5—जहां अनुसूची-1 में उपलिखित नियोजकारी ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिकारी, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपचारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आयका किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारी कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयका इस बत्त से गतिष्ठ नहूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कई अलग अंशदान या प्रीमियम- की अद्वितीय किए बिंदु जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामाजिक वीमा स्कीम का सामने उठाये हैं जोकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजित सदबद्ध वीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लोधों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

वह: उक्त अधिकारी की धारा 17 की उपचारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा अम-मंडालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयका की अधिकारी संस्था स्थानीय जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने उल्लिखी गयी है, के अन्तर्गत में स्था नियम अनुसूची-2 में निर्धारित जारी के रहने हए केन्द्रीय भविष्य निधि आयका ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उमके नाम के सामने दर्शाया है।

#### अनुसूची—1

क्र०	स्थापना का नाम एवं पता	फॉल सं०	अधिकृतना की सं० और विनांक जिससे छूट प्रदान की गई।	समाप्त होने की तिथि।	छूट प्रदान करने हेतु अधिकृत	क्र० भ० निं० आ०
सं०						फाइलस
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० कॉर्पिक, प्लाट०न० 3606, फेस चार, जी०आई०डी० सी०, स्टेट कटबा, अहमदाबाद— 332445	गज०/941ए एस-35014/112/82।	22-९-८५ 23-९-८५ 2/702/82/डी० ए० पी० एफ०-11 दिनांक 23-९-८२	22-९-८८ 23-९-८८ से	22-९-९१ 23-९-९१ से	ए० आई०
2.	मै० किनारीआजा आई चैम डॉक्ट्रीस, 148, सुनित मैदान, मणिनगर, अहमदाबाद—४	गज०/1385	12/1959/डी० एल० आई०/छूट/89 पाट-।। दिनांक 25-१-९४	31-१-९५ 1-२-९५ से	31-१-९८	2/2357/79/डी० ए० आई०
3.	मै०गजान स्टेट एक्सरीट्य कार० नि०, गज०/4895 गुजरात चेम्बरस बिल्डिंग, नटराज सिनेमा के पास, झुंथमरोड, अहमदाबाद-९	2/1959/डी० एल० आई०/छूट/89 पाट-।। दिनांक 17-१-९४	29-२-९६ 1-३-९६ से	28-२-९९	12/670/83/डी० ए० आई०	

1	2	3	4	5	6	7
4.	मैं अनिल फोरेंजिंग एंड डिवीजन आफकी अनिल स्टार्चि प्रोडक्स लिं. अनिल रोड पी० बी० नं० 1009, अहमदाबाद—25	गुज०/5774	2/1959/डी० एल० आई०/ छट/89 पार्ट-1 दिनांक 22-4-93	31-1-93	1-2-95 मे आई० । 31-1-98	2/4766/डी० एल०
5.	मैं गुजरात ट्रेइंग कं० 82जी० गुज०/11480 आई० डी० सी० स्टेट मेहमाना—2 गुजरात	2/1959/डी० एल० आई०/ छट/89 पार्ट-1 दिनांक 22-4-93	28-2-94	1-3-94 मे एल० आई० 28-2-97 1-3-97 मे	2/4160/92/डी०	
6.	मैं सुविक इलैक्ट्रोनिक्स प्लाट नं० 102, जी० आई० डी० सी० इंजी० इस्टेट सैकटर—2 गांधीनगर—382028	गुज०/12384	2/1959/डी०एल० आई०/ छट/89 पार्ट-1 दिनांक 2-12-93	31-8-92	1-9-92 मे एल० आई० । 31-8-95 1-9-95 मे	2/4310/92/डी०
7.	मैं दी म्यूनिसिपल को० ओ० वैंक लि० म्यूनिसिपल कारगरेजन आफिस कम्पालॅड दानापीर अहमदाबाद—580001	गुज०/14378	2/1959/डी०एल० आई०/ छट/89/पार्ट-1 दिनांक 3-4-93	24-8-94	25-8-94 मे एल० आई० । 24-8-97	2/1805/88/डी०

## अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के समन्वय में नियोजक (जिसे इसके पहचान नियोजक कहा गया है) संवर्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विघ्न करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2-क) के संपर्क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखांशों का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांशों का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, हाँ वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जावेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मूल वालों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि ऐसा कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का यहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ वडाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वर्द्धित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसपर किए कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो। जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होगा जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतीकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के दरावर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संवर्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दैष्टकालीन स्पष्ट करने का व्यक्तियकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम को उसी सामूहिक दीमा स्कीम के, जिसे स्थापना, पहले ही अपना चुकी है, अधीन नहीं रख जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारण वश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियत करने प्रीमियम का संदाय करने से असफल रहता है और पारिस्थी को व्यवस्था हांने दिया जाता है तो छट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा श्रीसीरीम के संदर्भ में किए गए किसी व्यक्तिकोष की बक्षा या उन गृह सदस्यों के नाम निदर्शितों या विविध वारिसों को दिये हुए छटे न ही गई होती है तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, तो बीमा लाभों के मंदिर का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता है।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के आधीन आने वाले किसी सदस्य द्वारा मन्त्र होते पर उसके हक्कदार नाम निवेशितों/विविध वारिसों तो भीमाकृत राशि का संदर्भ तत्परता में और प्रत्यक्ष द्वया में भारतीय जीवन निगम से बीमाकृत राशि तत्परता में और प्रत्यक्ष द्वया में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक गाह के भीतर स्थिरित्व करते।

एस. भट्टाचार्जी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयोजन (म.)

नंदा विली-110066, दिनांक 6 अप्रैल 1998

गं 2/1959/डी. एल. आर. 1—हाँ अन्तर्भुक्ती-1 में उल्लिखित नियोजनाओं ने (जिनके द्वारा इसने एकत्र स्थापना कहा गया है) कर्मचारी विविध निधि और प्रत्येक उपबन्ध अधि-

नियम, 1952 (1952 का 19) द्वी प्रधान 17 की लप्धारा 2 (क) के अंतर्गत छटे के द्वारा आदेश किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आगदस इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदाता या प्रीमियम की अदायी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम नहीं माध्यमिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहा है जैकि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजन संबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अन: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हए तथा उम संचालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आगदन को अधिभूतना संख्या तथा हिति जो प्रत्येक स्थापना के रूप के सामने दर्शाई गयी है, के अन्तरण में तथा संलग्न अन्तर्भुक्ती-2 गं निधिरित शार्ट के रहस्य हाँ केन्द्रीय भविष्य निधि आगदन ने उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के गंचालन एवं प्रत्यक्ष उक्त स्थापना को अले 3 वर्ष की अवधि के लिए छटे प्रदान कर दी है जैसा कि यांत्रम अन्तर्भुक्ती-1 में उनके नाम के गाईने विवरणी है।

अमृसूची

स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा	छटसमाप्ति	छट विस्तार तिथि	के० भ० नि० आ० फाइल नं०	
1	2	3	4	5	6	7
1. मै० एस्वा मिल्स एस्वा रोड, अहमदाबाद— 380016 ।	जी० जे०/ 274	2/1959/डी० एल०आई०/ एकजम/89 भाग-1 दिनांक 10-9-91	27-12-93 से 27-12-96 28-12-96 मे 27-12-99	28-12-93 से 27-12-96 1-3-97 1-3-97	2/1660/89/ डी० एल० आई०	
2. मै० अनुप हंजीनियरिंग लि० ओधव रोड, अहमदाबाद— 382415 ।	जी० जे०/ 1912	दिनांक 27-1-94	1-3-94 से 1-3-97	2-3-94 से 1-3-97	2/1165/85 डी० एल० आई०	
3. म० टैक्सटाइल्स'हंजीनियरिंग एण्ड फैन्युफैक्चरिंग वर्क्स पो० बा० नं० -2, गंपुर जिला अहमदाबाद ।	जी० जे०/ 4577	दिनांक 2-5-94	31-3-93 से 31-3-96 1-4-96 मे 31-3-99	1-4-93 से 1-4-96 1-4-96 मे 31-3-99	2/5438/94 डी० एल० आई०	
4. मै० किनारीबाला आर० जे० के० इंडस्ट्रीस नर नीकोल अक्टरो नाका बी/एच अनिल स्टार्च अहमदाबाद-380025 ।	जी० जे०/ 5779	दिनांक 11-10-92	28-2-95 से 28-2-98	1-3-95 से 1-3-95 28-2-98	2/3355/91 /डी० एल० आई०	

1	2	3	4	5	6	7
5.	मैं जैम हॉर्डस्ट्रीज लि० मगोर 388340, तल आनंद जिला केरा गुजरात १	जी० जै०/ 6107	दिनांक 11-10-92	31-12-94 से 31-12-97	1-1-95 से	2/2356/89 डी० एल० आई०
6.	मैं गेस्ट हॉटेल इंजीनियरिंग प्रा० लि० 704, समपटौटी-३० महाराष्ट्र सोसायटी हल्सीस अहमदाबाद-६	जी० जै०/ 6389	दिनांक 3-४-९३	28-२-९४ मे 28-२-९७ 1-३-९७ से	1-३-९४ 29-२-२०००	2/2508/90 डी० एल० आई०
7.	मैं शरद नॉटरेस एल-६२-६३-६४ जी० आई० डी० सी० ओडहव अहमदाबाद-३८२४१५	जी० जै०/ 10490	दिनांक 14-४-९१	29-२-९२ से 28-२-९५ 1-३-९५ से 28-२-९८	1-३-९२ 28-२-९८	2/3411/91 डी० एल० आई०
8.	मैं गुजरात स्टेट कंस्ट्रक्शन कार्पोरेशन लि०, जी-१/२०१, सेक्टर नं० ३०, गांधीनगर-४४२०३०	जी० जै०/ 11828	दिनांक 18-१-९४	1५-६-९६ से 1५-६-९९	1६-६-९६ 28-२-९६	2/1026/84 डी० एल० आई०
9.	मैं दी सुरेन्द्रनगर मर्केन्टाल को० आ० बैक नक्कर कम्पाइयल सेन्टर मिनी-थोबन भार्ग सुरेन्द्र नगर-३६३००१ ३ ब्रांच	जी० जै०/ 16904	दिनांक ८-४-९३	३०-६-९४ से ३०-६-९७	१-७-९४ ३०-६-९७	2/4437/92 डी० एल० आई०

## अनुसूची II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संघीयता धीरोग्य भविष्य निधि धार्यकूल को एसी विवरणियाँ भेजा और एसा लंबा रखेगा साथा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्यक्ष भास की समीक्षा के 15 दिन के भीतर संक्षेप करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 17 की उष्ठारा (२-क) के खण्ड वा० अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक दीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लक्षणों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, भीमा प्रीमियम का संदाय, लंबाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का गंवाय आदि भी है, हाने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक इवारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुसंधित सामूहिक दीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जंद कमी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह सूचा को भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचनापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी से भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छठू प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित विज्ञा जाता है तो नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम के हस्त के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन दीमा नियम के संबंध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध सभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक दीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में नामूदृक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक दीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक दीमा स्कीम में किसी वाले के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के आधीन संवेद राशि उस राशि रो कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संबंध होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम शिद्दीशियों को प्रतिक्रिया के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों के अपना फ़ास्टिकोन स्पष्ट करने का युक्तियूक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले ही अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पारिसों को व्यवहार होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

### ANDHRA BANK

(A Govt. of India Undertaking)

### PERSONNEL DEPARTMENT HEAD OFFICE

Hyderabad, the 23rd February, 1998

No. 666/20/IR/530—In exercise of the powers conferred by Section 19 read with Sub-section (2) of Section 12 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of Andhra Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following Regulations to amend further the Andhra Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) Regulations, 1981 namely:

#### (1) Short Title and Commencement:

- (1) These Regulations may be called Andhra Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) 'Amendment' Regulations, 1998,
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

(2) In Regulation 4 of the Andhra-Bank Officer Employees' (Discipline & Appeal) Regulations, 1981 (hereinafter called as Principal Regulations) under the heading "Minor Penalties" after clause (d), the following clause shall be inserted, namely:—

- (a) "(e) reduction to a lower stage in the time scale of pay for a period not exceeding 3 years without cumulative effect and not adversely affecting the officer's pension",
- (b) Under the heading "Major Penalties" the clauses (e), (f), (g) and (h) shall be re-numbered as clause (g), (h), (i), and (j);
- (c) Before the re-numbered clause (g) the following shall be inserted namely:—  
"(f) save as provided for in (e) above reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period, with further directions as to whether or not the officer will earn increments of pay during

11. नियोजक द्वारा ग्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिक्रम की दशा में उन मृत सदस्थों के नाम निदर्शितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उस के हकदार नाम/निदर्शितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि संदाय तत्परता से और प्रयोक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि तत्परता से और प्रयोक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

एस. भट्टाचार्जी  
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

the period of such reduction and whether on the expiry of such period the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his pay".

(d) For the re-numbered clause (g) the following may be substituted namely:—

"(g) reduction to a lower grade or post".

(3) In sub-regulation (1) of Regulation 6 of the Principal Regulations, for the words, brackets and figures "clauses (e), (f), (g) and (h) of Regulation 4" the words, brackets and figures "clauses (f), (g), (h), (i) and (j) of Regulation 4" may be substituted.

(4) In Sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Principal Regulations for the words, brackets and figures "clauses (a) to (d) of Regulation 4", the words, brackets, and figures "clause (a) to (e) of Regulation 4" may be substituted.

(5) In the first proviso to sub-regulation (ii) of Regulation 17 of Principal Regulations, for the words, brackets and figures "clauses (e)(f), (g) and (h) of Regulation 4," the words, brackets and figures "clauses (f), (g), (h), (i) and (j) of Regulation 4" may be substituted.

(6) In the first proviso to Regulation 18 of Principal Regulations for the words, brackets, and figures "clauses (e), (f), (g) or (h) of Regulation 4" the words, brackets and figures clauses (f), (g), (h), (i), (or) (j) of Regulation 4" may be substituted.

Note: Earlier amendments to Andhra Bank Officer Employees (Discipline & Appeal) Regulations 1981 were published in Part III Section 4 of the Gazette of India as per details given below:

S. No.	Notification No.	Date
1.	34	26-10-1990
2.	35	26-10-1990
3.	41	04-12-1990
4.	35	06-09-1993

V.R. VENKATA RAMAN,  
General Manager

## SYNDICATE BANK

## HEAD OFFICE

Manipal 576 119, the 13th April, 1998

## CORRIGENDUM

No. 112.10089/PD: IRD(O) dated 13-4-1998:—In the Schedule to the "Discipline & Appeal" Regulations, published on pages No. 2936 to 2937 in the Gazette of India in the Issue No. 37 dated 13-9-1997, the following printing errors that have crept in may be corrected:

Sl. No.	Printing errors	To be corrected to read as
1.	The words "Head Officer" appearing against S. No. 2, Column No. 3, on page No. 2937	"Head Office"
2.	The words "Head Officer" appearing against Sl. No. 2, Column No. 4, on page No. 2937	"Head Office"
3.	The words "Chairman!Managing Director" appearing against Sl. No. 3, Column 5 on Page No. 2937	"Chairman & Managing Director"
4.	The words "Scale VI/VII" appearing against Sl. No. 4, Column No. 2, on page No. 2937	"Scale VI & VII"
5.	The words "Chairman/Managing Director" appearing against Sl. No. 4, Column No. 4 on page No. 2937	"Chairman & Managing Director"

Y.N. SHETTY  
General Manager (P)

## EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 20th March 1998

No. U-16/53/93-M. II (Guj.):—In pursuance of the Resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. General Regulation 1950 and such powers having further delegated to me vide Director General's Order No. 1024 (G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. (Mrs.) A.J. Patel to function as Medical Authority for Dariapur centre for the period of one year at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date she resumes charge or till a full time Medical Referee joins, whichever is earlier, and areas to be allocated by Regional Dy. Medical Commissioner (North West Zone) for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

Dr. (Mrs.) S. SINGH,  
Medical Commissioner

New Delhi, the 31st March 1998

No. N-15/13/14/2/98-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-4-1998 as the date from

which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely:—

"Areas comprising the revenue village of Manuguru in Panruti Taluk of Cuddalore District."

L.K. PATTANAIK,  
Jt. Director (P&D)

No. N-15/13/14/3/98-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-4-1998 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely:—

"Areas comprising the revenue villages of Andipalayam, Nallur, Muthalipalayam; Mannarai, Kanakkampaiayam, Pongupalayam, Neruperichal, Velampalayam in Tiruppur Taluk of Coimbatore District,"

L.K. PATTANAIK,  
Jt. Director (P&D)

MINISTRY OF LABOUR  
EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION  
CENTRAL OFFICE

New Delhi-110 066, the 30th March 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/4919.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said scheme has been granted by the RPFC Orissa from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	Effective Date of Exemption	C. P. F. C's File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Rushikulya Gramya Bank, Head Office Berhampur Distt. Ganjam, Pin-760001 alongwith its branches	OR/2881	1-3-1995 to 28-2-1998	11/9/97/OR/DLI
2.	M/s. Urban Co-operative Bank Ltd., Tinikonia Bagicha, Cuttack-753001, alongwith its branches	OR/2734	1-2-1990 to 31-1-1993 & 1-2-1993 to 31-1-1996 & 1-2-1996 to 31-1-1999	11/8/97/OR/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary Premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee, the amount payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.J/4927.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of the Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P.F. C File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Re-Rolling Mills Ltd., Hirakud Distr. Sambalpur, Orissa	OR/563	2/1959/Exem/DLI/Pt-I dated 2-7-93	30-9-92 to 30-9-95 and 1-10-95 to 30-9-98	1-10-92 to 30-9-95 and 1-10-95 to 30-9-98	2/555/81/DLI
2.	M/s Odisha Excisions Ltd., Ganeshwarput Industrial Estate, Balasore-756019	OR/4910	date 1 25-1-94	30-6-95 to 30-6-98	1-7-95 to 30-6-98	2/5275/93/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act. within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem./89/Pt.I/4935.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW: THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was Granted/Extended	Date of Expiry	Period to Exemption	C.P.F.C. File No
1.	M/s. Orissa Plastic Processing Ltd., O.T. Road, Balasore-756001	OR/4146	2/1959/DLI/Ext/89/ Pt. I, 416-426 dated 25-1-96	28-2-95	1-3-95 to 28-2-98	2/3/95/DLI/OR
2.	M/s. Utkal Agro Industries Pvt. Ltd. O.T. Road/Balasore-756001	OR/1648	2/1959/DLI/89/ Pt.I/424 dated 25-1-96	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/4/95/DLI/OR

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/4943.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Anoopam Adhesives, 159 Vithal Udyognagar-388121 Ta Anand Gujarat.	GJ/6891	2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I dated 21-1-94	28-2-95	1-3-95 to 28-2-98	2/3306/94/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that should be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely by the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi, the 6th April 1998

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/5.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-II (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the GROUP Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2A) of the Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

## SCHEDULE

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/ Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Corpoc, Plot No. 3606, Phase IV, GIDC Estate Vatva, Ahmedabad-382445.	GJ/941A	S-35014/112/82-PF-II dated 23-9-82	22-9-83	28-9-85 22-9-88 23-9-88 to 22-9-91 23-9-91 to 22-9-94 23-9-94 to 22-9-97	2/702/82/DLI
2.	M/s, Kinariwala Dye Chem Industries 148, Mukti Medan Maninagar, Ahmedabad-8.	GJ/1385	2/1959/DLI/Exemp./89/Pr, I dated 25-1-94	31-1-95	1-2-95 to 31-1-98	2/2357/89/DLI

1	2	3	4	5	6	7
3.	M/s. Gujarat State Exports Corp, Ltd. Gujarat Chambers Building Near Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad-9.	GJ/4895	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 17-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99	2/670/83/DLI
4.	M/s. Anil Forgings A Division of the Anil starch Products Ltd, Anil Road P.B. No 1009, Ahmedabad-25.	GJ/5774	Do. dated 22-4-93	31-1-95	1-2-95 to 31-1-98	2/4766/92/DLI
5.	M/s. Gujarat Trading Co, 82, GIDC-Estate Mehsana-2 Gujarat.	GJ/11480	Do.	23-2-94	1-3-94 to 28-2-97 1-3-97 to 29-2-2000	2/4160/12/DLI
6.	M/s. Sivin Electronics Plot No. 102 GIDC Engg. Estate, Sector-28 Gandhinagar-382028,	GJ/12384	Do. dated 1-12-93	31-8-92	1-9-92 to 31-8-95 1-9-95 to 31-8-98	2/4310/92/DLI
7.	M/s. The Municipal Co-op, Bank Ltd. Municipal Corporation office Compound Dana Pith, Ahmedabad-380001.	GJ/14378	2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I dated 3-4-93	24-8-94	25-8-94 to 24-8-97	2/1805/88/DLI

## SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount

payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before given his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, of the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(A) Legal heir(S) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt.I/18.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more

favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

#### SCHEDULE

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C. File No.
1.	M/s. Asarwa Mills, Asarwa Road, Ahmedabad.	GJ/274	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 10-9-91	27-12-93 27-12-96 28-12-96 to 27-12-99	28-12-93 to 27-12-96 28-12-96 to 27-12-99	2/1660/89/DLI
2.	M/s. The Anup Engineering Ltd., Odhav Road, Ahmedabad-382415.	GJ/1912	Do.	27-1-94	1-3-94 to 1-3-97	2/1165/85/DLI
3.	M/s. Texspine Engineering & Mfg. work P.B. No. 2, Ranpur Ahmedabad.	GJ/4577	Do.	2-5-94	31-3-93 31-3-96 1-4-96 to 31-3-99	2/5438/94/DLI
4.	M/s. Kinariwala R.J.K. Industries Nr. Nikel Octroi Naka Behind Anil Starch, Ahmedabad-380025.	GJ/5779	Do.	11-10-92	28-2-95 1-3-95 to 28-2-98	2/3355/91/DLI
5.	M/s. Jemi Industries Ltd. Magor 388340, Tal Anand, Dist. Kaira Gujarat.	GJ/6107	Do.	11-10-92	31-12-94 1-1-95 to 31-12-97	2/2356/89/DLI
6.	M/s. Ganset Engineering Pvt., Ltd. 701, Sampatti, 30, Maharashtra Society Ellsbridge Ahmedabad-6.	GJ/6389	Do.	3-4-93	28-2-94 1-3-94 to 28-2-97 1-3-97 to 29-2-2000	2/2508/90/DLI
7.	M/s. Shard Knotters L-62-63-64 G.I.D.C. Odhav, Ahmedabad-382415.	GJ/10490	Do.	14-4-91	29-2-92 1-3-92 to 28-2-95 1-3-95 to 28-2-98	2/3411/91/DLI
8.	M/s. Gujarat State Construction Corporation Ltd., G-I/201 Sector No. 30, Gandhi Nagar-382030.	GJ/11828	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. I dated 18-1-94	15-6-96	16-6-96 to 15-6-99	2/1026/DLI/84
9.	M/s. The Surendra Nager Mercantile Co-Op. Bank Navkar Commercial Centre Mini Thophan Marg, Surendra Nager-363001 3 Branches.	GJ/16904	Do. dated 8-4-93	30-6-94	1-7-94 to 30-6-97	2/4437/92/DLI

#### SCHEDULE-II

- The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

- The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (A) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

- All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance primia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Schemes approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme is less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the in-

terest of the employee. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(A) Legal heir(S) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

S. BHATTACHARJEE  
Regional Provident Fund Commissioner

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित

एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1998

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,  
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI 1998